

भारत का रक्षा नरियात

प्रलिस के लयि:

रक्षा प्रौद्योगकी ।

मेन्स के लयि:

प्रौद्योगकी, रक्षा नरियात, प्रौद्योगकी का स्वदेशीकरण

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2021-22 के लयि भारत का रक्षा नरियात 13,000 करोड़ रुपए अनुमानति था जो अब तक का सबसे अधिक है ।

- अमेरिका एक प्रमुख खरीदार था साथ ही दक्षिण पूर्व एशया, पश्चिमि एशया और अफ्रीका के राष्ट्र भी शामिल थे ।

प्रमुख बदि

- नजि क्षेत्र का नरियात में 70% हसिसा था, जबकि सार्वजनकि क्षेत्र की फर्म बाकी के लयि जमिेदार थी ।
 - पहले नजि क्षेत्र का 90% हसिसा हुआ करता था लेकनि अब रक्षा सार्वजनकि क्षेत्र की इकाइयों का हसिसा बढ़ गया ।
- जबकि हाल के वर्षों में अमेरिका से भारत का रक्षा आयात काफी बढ़ गया है, **भारतीय कंपनी तेजी से अमेरिकी रक्षा कंपनियों की आपूर्ति शृंखला का हसिसा बन रही हैं ।**

रक्षा नरियात को बढ़ावा देने हेतु हाल के पहल:

- जनवरी 2022 में भारत ने **ब्रह्मोस सुपरसोनकि क्रूज मसिाइल** के तट-आधारति एंटी-शपि संस्करण की तीन बैटरियों की आपूर्ति के लयि **फलीपींस के साथ 374.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समझौते** पर हस्ताक्षर कयि, जो उसका सबसे बड़ा रक्षा नरियात आदेश है ।
- भारत ने पछिले दो वर्षों के दौरान **310 वभिनिन हथियारों और प्रणालियों पर चरणबद्ध आयात परतबिंध** लगाया है, जसिसे नरियात को बढ़ावा देने में मदद मली है ।
 - इन हथियारों और प्लेटफॉर्मों का अगले पाँच से छह वर्षों में कई चरणों में स्वदेशीकरण कयि जाएगा ।
- नजि क्षेत्र के साथ बढ़ी हुई भागीदारी से रक्षा नरियात में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।

भारत का रक्षा नरियात:

- रक्षा उत्पादन में आत्मनरिभरता प्राप्त करने के लयि रक्षा नरियात सरकार के अभयान का प्रमुख स्तंभ है ।
- 30 से अधिक भारतीय रक्षा कंपनियों ने **इटली, मालदीव, श्रीलंका, रूस, फ्रांस, नेपाल, मॉरीशस, श्रीलंका, इजरायल, मसिर, संयुक्त अरब अमीरात, भूटान, इथियोपया, सऊदी अरब, फलीपींस, पोलैंड, स्पेन** जैसे देशों को हथियारों और उपकरणों का नरियात कयि है ।
- नरियात में **व्यक्तगित सुरक्षा सामग्री, रक्षा इलेक्ट्रॉनकि प्रणाली, इंजीनयरगि यांत्रकि उपकरण, अपतटीय गश्ती जहाज़, उन्नत हलके हेलीकॉप्टर, एवयोनकि स्यूट, रेडयो ससि्टम तथा रडार ससि्टम** शामिल हैं ।
- हालाँकि भारत का रक्षा नरियात अभी भी अपेक्षति सीमा तक नहीं पहुँच पाया है ।
 - **सुटॉकहोम इंटरनेशनल पीस रसिर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI)** ने 2015-2019 के लयि प्रमुख हथियार नरियातकों की सूची में भारत को 23वें स्थान पर रखा ।
 - भारत अभी भी वैश्वकि **हथियारों का केवल 0.17% हसिसा ही नरियात करता है ।**
- भारत के रक्षा नरियात में निरिशाजनक प्रदर्शन का कारण यह है कि भारत के रक्षा मंत्रालय के पास अब तक नरियात के लयि कोई समरपति एजेंसी नहीं है ।
- भारत ने 2024 तक 5 बलियन अमेरिकी डॉलर के रक्षा नरियात का लक्ष्य रखा है ।

रक्षा क्षेत्र से संबंधित पहल:

- रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्द्धन नीति 2020 (DPEPP 2020):
 - **DPEPP 2020** को आत्मनिर्भरता और निर्यात के लिये देश की रक्षा उत्पादन क्षमताओं पर एक केंद्रित संरचित एवं महत्त्वपूर्ण रूप से बल प्रदान करने के लिये व्यापक मार्गदर्शक दस्तावेज़ के रूप में परिकल्पित किया गया है।
- आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र की दशा में बहुआयामी कदम:
 - नज़ी उद्योग को सशक्त बनाने के लिये फोकस के साथ प्रगतिशील परिवर्तन हुए हैं।
 - **डीपीपी 2016 भारतीय आईडीडीएम** (स्वदेशी रूप से डिज़ाइन, विकसित और निर्मित) नामक एक नई श्रेणी के साथ सामने आया है।
 - यदि कोई भारतीय कंपनी भारतीय आईडीडीएम का विकल्प चुनती है तो उसे अन्य सभी श्रेणियों पर वरीयता दी जाती है।
- रणनीतिक साझेदारी:
 - एक रणनीतिक साझेदारी मॉडल भारतीय कंपनियों को **वैदेशी ओईएम** के साथ सहयोग और प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करने तथा भारत के निर्माण और भारत में परियोजनाओं को बनाए रखने की अनुमति प्रदान करता है।
 - कामकाज में पारंपरिक पनडुब्बियों के लिये पहला आरएफपी।
- सकारात्मक स्वदेशीकरण:
 - पहली बार सरकार किसी वस्तु के आयात पर खुद पर प्रतिबंध लगा रही है, सरकार स्वदेशी उद्योग को सशक्त बनाना चाहती है।
 - 101 वस्तुओं तथा 108 वस्तुओं की दो सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियाँ हैं जसिकी रेंज़ प्लेटफार्मों से लेकर हथियार प्रणालियों तक तथा सेंसर से लेकर अधिकतम वस्तुओं तक हैं।

स्रोत: द द्रिष्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-defence-exports>

